आबू रोड, 14 अगस्त, ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में विशाल पंडाल में लगे श्रीकृष्ण की झांकी देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इसका उदघाटन ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि श्रीकृष्ण एक महायोगी थे। उन्होंने योग कर अपने जीवन को 16 कलाओं से सम्पन्न एवं सम्पूर्ण बना लिया था। इसलिए हमें भी इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

कार्यक्रम में तहसीलदार मनसुख डामोर ने कहा कि इस झांकी के जरिये लोगों में श्रेष्ठ मूल्यों के प्रति प्रेरणा मिलेगी। ब्रह्माकुमारीज संस्था के महासचिव बीके निर्वेर ने कहा कि हमारा जीवन भी श्रीकृष्ण की भाति होना चाहिए। थानाधिकारी सुमेर सिंह ने कहा कि भारत में जितने भी त्योहार मनाये जाते है सब मनुष्य की उन्नति के लिए है। ब्रह्माकुमारीज संस्था की कार्यक्रम प्रबन्धिका बीके मुन्नी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

ये है आकर्षण का केन्द्र:

पांच पंडालों में लगी कृष्ण सुदामा की दोस्ती का वृतान्त लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। इसके आलावा राजदरबार, बाल लीलाओं का वर्णन, पीपल के पत्ते पर श्रीकृष्ण और श्री राधा दृश्य से लोग भाव विभोर हो गये।